शुक्रवार
22 दिसम्बर 2023

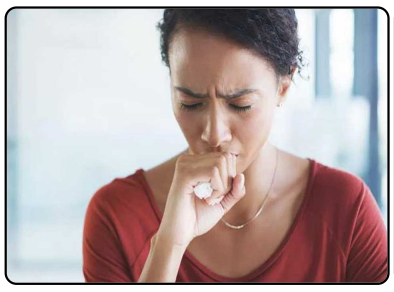

पृष्ठ 4

लंबे समय तक खांसी नहीं हो रही है ठीक तो जानें इसका कारण कहीं ये तो नहीं...

पृष्ठ 5

भूमि पेडनेकर ने दिखाया स्टाइल, स्वैग में दिए कैमरे के सामने पोज

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 307
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

मुठ्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं।

– महात्मा गांधी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

- सांसदों के निलंबन पर कांग्रेस का हल्ला बोल -

भाजपा लोकतंत्र की हत्या पर आमादा: माहरा

❑राजभवन घेरने निकले कांग्रेसी, पुलिस ने रोका
❑पुलिस के साथ धक्का-मुक्की, तीखी झड़पें हुई

विशेष संवाददाता

देहरादून। सांसदों के निलंबन के विरोध में आज प्रदेश कांग्रेस ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस मुख्यालय से राजभवन का घेराव करने निकले कांग्रेसी नेताओं को राजभवन तो नहीं पहुंचने दिया गया लेकिन रोके जाने पर उन्होंने जबर्दस्त हंगामा व नारेबाजी जरूर की तथा पुलिस कर्मियों के साथ उनकी धक्का-मुक्की और खींचतान भी हुई।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा का कहना है कि केंद्र की भाजपा सरकार देश से लोकतंत्र को खत्म करने पर आमादा है। 146 सांसदों का निलम्बन यह बताने के लिए काफी है कि सत्ता में बैठे लोग चाहते क्या हैं? सरकार विपक्ष की कोई बात सुनना नहीं चाहती है। चाहे विपक्ष के नेताओं की बात हो या फिर पत्रकारों की, जो सरकार के खिलाफ कुछ कहने या बोलने की कोशिश करता है सरकार उसके खिलाफ तानाशाही पर उतर आती है। उन्होंने कहा कि जिस भाजपा सांसद ने संसद में घुसपैठ करने वालों को पास दिलवाये उसके खिलाफ तो सरकार ने कोई कार्यवाही नहीं की और जो संसद की सुरक्षा को लेकर सवाल पूछना चाहते हैं उन्हें संसद से निलंबित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या का प्रयास है उन्होंने इसके साथ ही कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरी है। उनका कहना था कि अगर 2024 में फिर से भाजपा सत्ता में आ गई तो देश से लोकतंत्र खत्म हो जाएगा भविष्य में क्या होने वाला है इसके संकेत अभी से मिलने शुरू हो गए हैं।

विरोध प्रदर्शन में शामिल नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि संसद जहां राष्ट्रीय और सामाजिक हितों के लिए कानून बिना विपक्ष से चर्चा किये और उन्हें सदन से निलंबित करके बनाये जा रहे हो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता है। सांसदों का इतनी बड़ी संख्या में निलंबन मोदी सरकार की मंशा को बताने के लिए काफी है। सरकार चाहती है कि सदन में विपक्ष रहे ही नहीं और विपक्ष के न रहने पर वह अपनी मनमानी करती रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतंत्र के इतिहास में न कभी ऐसा हुआ है और न हो सकता है। कांग्रेस इसका पुरजोर विरोध करती है और करती रहेगी। कांग्रेस नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह का कहना है कि देश संविधान और लोकतंत्र से ही चलेगा। तानाशाही यहां किसी की भी नहीं चल सकती है। सत्ता में बैठे लोग विपक्ष की आवाज को जिस तरह से दबाने का प्रयास कर रहे हैं उससे विरोध के स्वर

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

पुंछ के राजौरी में उत्तराखंड का एक और जवान शहीद

हमारे संवाददाता

चमोली। जम्मू कश्मीर के पुंछ के राजौरी में सेना पर हुए आतंकी हमले में नारायणबगड़ विकास खण्ड के बमियाला गाँव का जवान नायक बीरेंद्र सिंह शहीद हो गये। जवान की शहीद होने की सूचना जैसे ही क्षेत्र में पहुंची क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी। शहीद जवान का पार्थिव शरीर कल उनके गृह जनपद पहुंचेगा। जानकारी के अनुसार ग्राम प्रधान बमियाला कमल कान्त टम्टा ने बताया कि पुंछ के राजौरी में सेना पर हुए आतंकी हमले में बीरेंद्र सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह के शहीद होने की सेना के उच्चाधिकारी ने जानकारी दी। उन्होने बताया कि शहीद जवान के पार्थिव शरीर को रुड़की लाया जा रहा है। कल शहीद जवान का शव उसने पैतृक गांव

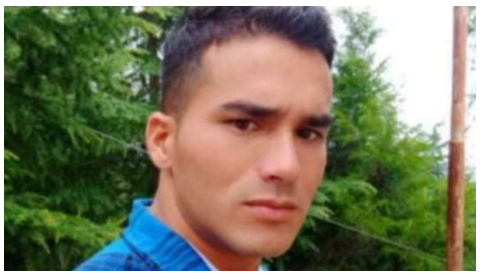

बमियाला पहुचेगा। शहीद बीरेंद्र अपने पीछे अपनी पत्नी और दो बेटियों को छोड़ गए, शहीद बीरेंद्र के घर में उनके माता पिता, दो भाई और एक बहन है। उनके पिता पेशे से किसान है और माता गृहणी हैं, बड़े भाई आईटीबीपी में तैनात हैं बहन की शादी हो चुकी है। भाई बहनों में नायक बीरेंद्र सिंह सबसे छोटे थे।

सैक्स रैकेट का खुलासा, दो युवतियों सहित तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मकान में चलाये जा रहे सैक्स रैकेट का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो युवतियों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से आपत्तिजनक सामग्री व हजारों की नगदी भी बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना सिडकुल पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र के एक मकान में कुछ लोग सैक्स रैकेट चला रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान हेत्तमपुर में शिवम एकेडमी के निकट स्थित मकान में छापेमारी की। इस दौरान वहां हड़कंप मच गया। पुलिस को मौके पर दो युवतियां व एक युवक आपत्तिजनक स्थिति में मिले। इस पर पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री व हजारों की नगदी बरामद हुई। इस पर उन्हे थाने लाकर उनके खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया गया है। गिरफ्तार युवक का नाम शीतल सिंह पुत्र अतर सिंह निवासी मौ. खुशहालपुर थाना बाजपुर ऊधमसिंह नगर हाल पता सुमननगर रानीपुर हरिद्वार बताया जा रहा है।

गणतंत्र दिवस समारोह में चीफ गेस्ट होंगे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 26 जनवरी को होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में चीफ गेस्ट यानी मुख्य अतिथि होंगे। 2024 के गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रपति को आमंत्रित किया गया है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों की जुलाई में मुलाकात हुई थी। पीएम मोदी बैस्टिल डे परेड में हिस्सा लेने फ्रांस गए थे। उन्होंने परेड में गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर हिस्सा लिया था। पीएम मोदी को खुद फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने निमंत्रण दिया था। पीएम मोदी ने भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर फ्रांस को शुभकामनाएं भी दीं थीं। एक सैन्य बैंड के नेतृत्व में 241

सदस्यीय त्रि-सेवा भारतीय सशस्त्र बल दल ने भी परेड में हिस्सा लिया था। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इस साल सितंबर में हुए जी20 बैठक में हिस्सा लेने दिल्ली भी आए थे। भारत जी20 की मेजबानी कर रहा था। इस दौरान जी20 बैठक से इतर पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच द्विपक्षीय बैठक भी हुई थी। बैठक के बाद पीएम मोदी ने कहा था कि वह भारत-फ्रांस रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। दोनों नेताओं ने रक्षा साझेदारी को बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी जताई थी। फ्रांस से ही भारत ने राफेल लड़ाकू विमान खरीदे थे।

इमैनुएल मैक्रों के समारोह में हिस्सा लेने के साथ ही ये छठा मौका होगा, जब एक फ्रांसीसी नेता दिल्ली में होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे। मैक्रों से पहले, पूर्व फ्रांसीसी प्रधानमंत्री जैक्स शिराक 1976 और 1998 में भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। उनसे पहले पूर्व राष्ट्रपति वालेरी गिस्कार्ड डी-एस्टिंग, निकोलस सरकोजी और फ्रेंकोइस ओलांद क्रमशः 1980, 2008 और 2016 में मुख्य अतिथि थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

राजनीति व लोकतंत्र का तमाशा

देश की जनता ने जिन प्रतिनिधियों को चुनकर संसद भेजा था वह आज देश की सामाजिक व आर्थिक समस्याओं पर चर्चा करने और उनके समाधान का हल खोजने की बजाय अगर सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं तो यह राजनीति और लोकतंत्र का तमाशा बनाना नहीं है तो और क्या है? विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों ही इस तमाशे के बड़े किरदार हैं जिनका तमाशा देखने वाली देश की जनता यह सोच रही है कि यह भारत की किस तरह की राजनीति है और यह नेता इस देश के लोकतंत्र को किस दिशा में ले जा रहे है। भाषाई मर्यादा और संवैधानिक परंपराओं को ताक पर रखकर हमारे जनप्रतिनिधि तमाशे में सिर्फ अपने-अपने राजनीतिक नफा नुकसान के दायरे तक ही अपनी सोच को समेट चुके हैं। संसद में अनाधिकृत घुसपैठ को लेकर जो सवाल खड़े हो रही थे उन्हें अब पीछे धकेला जा चुका है। विपक्ष इस मुद्दे पर गृहमंत्री के सदन में आने और बयान देने की मांग कर रहे थे लेकिन उनकी बात न सुनने से हंगामा शुरू हुआ यह अब तक रिकॉर्ड 146 सांसदों के निष्कासन तक पहुंच कर भी नहीं थमता दिख रहा है। संसद की सुरक्षा के सवाल से बात शुरू हुई थी वह अब उपराष्ट्रपति की नकल उतारने को लेकर उनके अपमान किए जाने से होती हुई जातिवाद तक जा पहुंची है। विपक्ष सांसदों के निष्कासन और संसद में विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाकर सड़कों पर बैठा है तो सत्ता पक्ष उपराष्ट्रपति के अपमान के मुद्दे पर जंतर मंतर पर बैठा है। भले ही पक्ष और विपक्ष के सांसद और नेता अपनी-अपनी बात और आचरण को सही ठहरा रहे हो तथा एक दूसरे पर आरोपों की बौछार कर रहे हो लेकिन राजनीति और लोकतंत्र दोनों का ही चीर हरण करने में उनके द्वारा किसी तरह की कमी नहीं छोड़ी जा रही है। तृणमूल के वह सांसद जिनके द्वारा उपराष्ट्रपति की नकल उतारने का प्रयास किया गया उनका कहना है कि वह लोकसभा के सदस्य हैं और उन्होंने उपराष्ट्रपति के खिलाफ कोई एक भी शब्द आपत्तिजनक नहीं बोला है लेकिन भाजपा ने कैसे इस मुद्दे को जातीयता से जोड़ दिया किसी की भी समझ से परे है। यह हैरान करने वाली बात ही है कि जिस संसद को मंदिर की संज्ञा दी जाती है उस संसद में जहां न कोई ऊंचा होता है न नीचा होता है तथा जिसे सर्वधर्म समभाव का प्रतीक माना जाता है वहां जातिवाद कैसे घुस गया। अगर तृणमूल के सांसद ने संसद में संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का अपमान किया है तो उनके खिलाफ संवैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिए यह तो बात किसी की भी समझ में आती है लेकिन सत्ता पक्ष जिसके पास कार्यवाही का अधिकार है वह कार्यवाही करने के बजाय जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन करें यह किसी के भी गले नहीं उतर सकता। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का कहना है कि विपक्ष अगर गृहमंत्री को सदन में बुलाने और बोलने की मांग कर रहा है तो यह विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है लेकिन प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सदन में आकर तो कुछ कहने को तैयार नहीं है लेकिन सदन के बाहर हर जगह बयान दे रहे हैं जो सरासर संसद की अवमानना है। कहा जाता है कि राजनीति व प्रेम में कुछ भी जायज या नाजायज नहीं होता है लगता है कि अब देश के नेताओं ने भी इसी सिद्धांत को अपना लिया है। देश की राजनीति में इन दिनों जो कुछ भी हो रहा है वह कोई अप्रत्याशित नहीं है और न ही यह सब कुछ बेवजह है। हां इतना जरूर है कि प्रत्यक्ष में जिन कारणों को इस पूरे घटनाक्रम में देखा जा रहा है वह कारण इसके मूल कारण नहीं है उसके पीछे भी अनेक दूसरे कारण है जिन्हें मोटे तौर पर 2024 में होने वाले आम चुनाव के लिए जमीन तैयार करने के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन यह दुख और चिंतनीय है कि आजादी के बीते 75 सालों में देश की राजनीति और लोकतंत्र एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है जहां देश के नेता बेफिक्र होकर इस तरह के राजनीतिक तमाशे कर सके और देश की जनता को गुमराह करने की कोशिश करें देखना यह होगा कि इस राजनीति का मुकाम क्या है और अभी यह और कितना आगे तक जाती है।

गुरुकुल विश्वविद्यालय के वेद विज्ञान महाकुंभ का उद्घाटन करेंगे उपराष्ट्रपति

संवाददाता

हरिद्वार। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेद विज्ञान महाकुंभ के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथित होंगे।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड व डा. श्रीमति सुदेश धनखड के साथ 23 दिसम्बर को हरिद्वार में गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेद विज्ञान महाकुंभ के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जन्म जयंती वर्ष में स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान दिवस पर गुरूकुल कांगडी द्वारा वेद विज्ञान महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है।

या ते भीमान्यायुधा तिग्मानि सन्ति धूर्वणे।
रक्षा समस्य नो निदः।।
(ऋग्वेद ९-६१-३०)

हे परमेश्वर ! आप शत्रुओं के विनाशक हैं। आपके पास जो भी भयंकर तीक्ष्ण शस्त्र है उससे हमारे शत्रुओं (काम, क्रोध, लोभ, मोह,आदि) को नष्ट कर दें।

जनता को सहूलियत उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है: धामी

कार्यालय संवाददाता

चम्पावत। जनपद चम्पावत को आदर्श बनाए जाने की परिकल्पना के दृष्टिगत प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा नित नए नए आयाम गढ़े जा रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा चंपावत की जनता को एक और सौगात दी गयी है। अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत टनकपुर में शुक्रवार को मुख्यमंत्री जी ने देहरादून को 42 सीटर वोल्वो बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिससे उत्तराखंड परिवहन निगम टनकपुर, चंपावत के बेड़े में दो वोल्वो बस शामिल हो गयी है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बनबसा में जगबुड़ा पुल पर बस की विधिवत पूजा अर्चना की। ततपश्चात जगबुड़ा पुल से टनकपुर तक करीब आठ किमी वाल्वो में सफर किया। जनपद के सीमांत क्षेत्र टनकपुर और राजधानी देहरादून के बीच वोल्वो सेवा शुरू होने से लोगों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। टनकपुर और नेपाल सीमा से लगे इलाकों के लोग अब वोल्वो बस से सीधे राजधानी देहरादून तक का सफर कर सकेंगे। इससे आवागमन सुगम होगा। शुक्रवार को टनकपुर में वोल्वो बस को हरी झंडी दिखाने के बाद मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि जनता को सहूलियत उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। लोगों को वोल्वो बस सेवा से आधुनिक और आरामदायक परिवहन की सुविधा मिलेगी। टनकपुर के लिए वोल्वो बस सेवा का उपलब्ध होना पर्यटन परिदृश्य के लिए भी नए आयाम लेकर आएगा। वोल्वो बस प्रतिदिन रात 8 बजे टनकपुर से देहरादून के लिए रवाना होकर दूसरे दिन प्रात 5 बजे देहरादून पहुंचेगी। दूसरी बस प्रतिदिन रात 9 बजे देहरादून से टनकपुर के लिए रवाना होगी और दूसरे दिन प्रात: 6 बजे टनकपुर पहुंचेगी।

❑सीएम धामी ने 42 सीटर वोल्वो बस को हरी झंडी दिखाकर दून रवाना किया

उन्होंने कहा कि टनकपुर नगर में 5590.70 लाख की लागत से बनने वाले रोडवेज बस टर्मिनल, डिपो वर्कशॉप बिल्डिंग, रीजनल वर्कशॉप बिल्डिंग एवं टायर शॉप के निर्माण कार्य किया जा रहा हैं। इसके अंतर्गत जनपद के टनकपुर शहर में बनने वाले बस टर्मिनल को आधुनिक सुविधाओं से लैस बनाया जाएगा। जिसमें बस टर्मिनल, बस डिपो अंतर्गत 100 व्यक्तियों का क्षमतायुक्त वातानुकूलित प्रतीक्षालय, 100 व्यक्तियों की बैठक क्षमता युक्त फूड कोर्ट, 170 वाहन क्षमता युक्त कार पार्किंग, 20 बेडेड पुरुष एवं महिला डॉरमेट्री, 12 बसों हेतु बोर्डिंग प्लेटफार्म, 24 बसों हेतु बस पार्किंग, 7 बसों हेतु इलेक्ट्रॉनिक चार्जिंग युक्त पार्किंग सुविधा, 20 बसों हेतु वर्कशॉप सुविधा, शॉपिंग स्टोर, रेस्टोरेंट्स, डिस्पेंसरी, एवं क्लॉथ रूम सुविधा, पुरुष एवं महिला सार्वजनिक शौचालय बनाया जाएगा। जनपद आदर्श तभी बनेगा जब जनपद प्रत्येक सुविधाओं से लैस रहेगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हमें आधुनिक सुसज्जित बस अड्डे के निर्माण को प्राथमिकता देनी होगी तभी बाहर से आने वाले पर्यटकों व यात्रियों को यात्रा करने में सुगमता होगी। आईएसबीटी बनने से रोजगार के साधन भी बढ़ने के साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष निर्मल माहरा, प्रदेश मंत्री भाजपा हेमा जोशी,जिला प्रभारी व प्रदेश मंत्री भाजपा विकास शर्मा,जिलाधिकारी नवनीत पांडे,एस पी देवेन्द्र पींचा,विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी,दीपक रजवार,भाजपा जिला महामंत्री मुकेश कलखुड़िया, सुभाष बगौली,गोविन्द सामंत,उत्तराखंड परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक पवन माहरा, उपजिलाधिकारी आकाश जोशी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

समान नागरिक संहिता समिति पर एक करोड़ से अधिक खर्च

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता विशेषज्ञ समिति पर एक करोड़ से अधिक धन के खर्च के लिए उत्तराखंड शासन द्वारा स्वीकृति आदेश जारी किये गये हैं। इसमें बड़ी संख्या में आये सुझावों के डॉटा एण्ट्री तथा विश्लेषण के लिए 18 लाख तथा इस पर जी.एस.टी. की स्वीकृति प्रदान की गयी है। यह खुलासा सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन को उत्तराखंड शासन के गृह विभाग द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ है।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम नदीम उद्दीन एडवोकेट ने उत्तराखंड शासन के गृह विभाग के लोक सूचना अधिकारी से समान नागरिक संहिता विशेषज्ञ समिति तथा इस पर खर्च के सम्बन्ध में सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में गृह विभाग के लोक सूचना अधिकारी/अनुसचिव ज्योतिर्मय त्रिपाठी ने समिति के गठन, कार्यकाल बढ़ाने के शासनादेशों के अतिरिक्त खर्च स्वीकृति सम्बन्धी शासन के आदेशों की फोटो प्रतियां उपलब्ध करायी गयी है।

उपलब्ध भुगतान स्वीकृति आदेशों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि 15 सितम्बर 2023 तक समान नागरिक संहिता के खर्च स्वीकृति सम्बन्धी आदेशों में रू. एक करोड़ 10 लाख 63 हजार 80 रू. की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसमें सबसे बड़ी धनराशि 18 लाख तथा इस पर जी.एस.टी. सहित कुल 21 लाख 24 हजार की स्वीकृति 6 अप्रैल 2023 के शासनादेश संख्या 641 से समिति को प्राप्त सुझावों के डाटा एण्ट्री एवं विश्लेषण सम्बन्धी कार्यों के समयबद्ध निष्पादन हेतु कार्यवाही संस्था आई.टी.आई. लि. क्षेत्रीय कार्यालय गोमती नगर के वित्तीय आगणन शामिल की है। इसके अतिरिक्त रू. 89 लाख 39 हजार 80 रूपये के खर्च के भुगतान की स्वीकृति के भी आदेश जारी किये गये हैं। उपलब्ध भुगतान स्वीकृति आदेशों के अनुसार समिति के कार्यालयों पर कुल 25 लाख 19 हजार 5 रू. के खर्च, समिति की बैठकों पर 4 लाख 30 हजार 700 रूपये, समिति के कार्यों के लिये लॉ इन्टर्न की सेवायें लेने के लिये 35 हजार प्रति माह मानदेय की दर से लॉ इन्टर्न पर कुल रू. 9 लाख 10 हजार रूपये, समिति अध्यक्ष के वाहन, यात्रा आदि खर्च पर 10 लाख 78 हजार 20, सदस्य मनु गौण के वाहन, यात्रा आदि खर्च पर 15 लाख 96 हजार 146, सदस्य शत्रुध्न सिंह के भत्ते, वाहन, यात्रा आदि खर्च पर 4 लाख 44 हजार 926 रूपये, सदस्य प्रमोद कोहली के वाहन, यात्रा आदि खर्च पर 1 लाख 57 हजार 295, सदस्य सुरेश डंगवाल के वाहन, यात्रा आदि खर्च पर 3 लाख 36 हजार 188 रू. खर्च के भुगतान की स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की गयी है। इसके अतिरिक्त जनसंवाद, विशेष कार्यधिकारी पर खर्च सहित विभिन्न अन्य खर्चो पर 14 लाख 66 हजार 800 रूपये की धनराशि के भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

सूचना का अधिकार
RIGHT TO INFORMATION

❑डाटा एण्ट्री तथा विश्लेषण पर 21.24 लाख खर्च की स्वीकृति
❑गृह विभाग द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ खुलासा

समिति के गठन तथा कार्यकाल बढ़ाने के शासनादेशों के अनुसार शासनादेश संख्या 452 से समान नागरिक संहिता विशेषज्ञ समिति का गठन 27 मई 2022 को किया गया था। 6 माह का कार्यकाल समाप्त होने पर शासनादेश सं. 1470 दि. 28 नवम्बर 2022 से इसका कार्यकाल समिति के अनुरोध पर 6 माह बढ़ाया गया। इसके उपरान्त शासनादेश सं. 827 दिनांक 9 मई 2023 से इसका कार्यकाल 4 माह के लिये बढ़ाया गया। इसके उपरान्त 22 सितम्बर 2023 से समिति के वर्तमान कार्यों की प्रगति, विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सुझावों के विश्लेषण किये जाने हेतु 27 सितम्बर से 4 माह के लिये कार्यकाल बढ़ाया गया। यह कार्यकाल 27 जनवरी को समाप्त होने से पहले समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत होने की उम्मीद की जा रही है।

नाबालिग से मारपीट कर घर का काम कराने पर महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। नाबालिग से मारपीट कर उससे घर का काम कराने व मां से मिलने नहीं देने के मामले में पुलिस ने महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्द्रनगर निवासी सिमरन कुरैशी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि कि उसने अपनी पुत्री एलीशा उम्र 15 वर्ष को उसकी अच्छी जान पहचान वाली महिला सिमरन सन्धु निवासी दून बिहार जाखन के द्वारा पालन पोषण ओर स्कूल में पढ़ने के लिए अपने पास रखने को कहा गया। सिमरन ने कहा कि उसके बच्चों की शादी हो गई है ओर अकेली रहती है तो उसकी बेटी का पालन पोषण कर लेगी। वह गरीब महिला है साफ सफाई का काम करती है। वह उसकी बातों में आ गयी ओर अपनी बेटी को उसे सौप दिया तब से लगभग दो तीन साल हो गये हैं वह अपनी बेटी से केवल तीन बार ही शुरुआत के एक दो महीने में मिली तब से सिमरन उसको टालती रही ओर बहाने बनाती रही कभी अमृतसर है तो कभी कहीं ओर है अभी उसको कुछ दिन पहले ही पता चला कि सिमरन सन्धु ने उसकी बेटी एलीशा के साथ बहुत अत्याचार किया है वह उसकी बेटी से घर का पूरा काम करवाती थी मारती-पिटती थी खाना भी नहीं देती थी और उसने अलीशा का एडिमशन भी नहीं करवाया लगभग दो-तीन सालों से सिमरन ने उसकी बेटी अलीशा को उससे छुपाकर बंध क बनाकर रखा और उसकी बेटी का मानसिक ओर शारीरिक शोषण किया ओर उससे मिलने तक नहीं दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शराब पीकर मारपीट करने पर पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। शराब पीकर पत्नी व बच्चों के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर निवासी नीलम सूद ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पति बॉबी सूद आये दिन शराब पीकर घर में आता है तथा घर में शराब के नशे में उसको व उसकी बेटियों के साथ गाली गलौच मारपीट करता है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

होटल के सुरक्षा कर्मी से मारपीट में दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। होटल के सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट करने पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जौलीग्रान्ट चौक स्थित होटल के मैनेजर ब्राइन जोसेफ ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि में होटल के काम्प्लैक्स में कांम्पलेक्स बंद होने के उपरांत लगभग 8-10 व्यक्ति आ गए और हुड़दंग करने लगे। होटल के सुरक्षाकर्मी ने जब उन्हें बाहर जाने को कहा तब वह सुरक्षाकर्मी को गंदी-गंदी गालियां देने लगे। जब उन्हें गाली गलौज करने से मना किया तो सब मिलकर सुरक्षा कर्मी के साथ मारपीट शुरू कर दी और लाठी डंडों से सुरक्षाकर्मी को बुरी तरह मारा-पीटा, जिससे सुरक्षाकर्मी नरेंद्र की दाहिनी टांग टूट गयी और सुरक्षाकर्मी जख्मी होकर जमीन पर गिर गया। फिर भी यह लोग सुरक्षा कर्मी को पीटते रहे। इस बीच वहां आ जा रहे लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गयी तब ये लोग भीड़ देखकर मार के भाग गये। और जाते-जाते सुरक्षाकर्मी को जान से मारनी की धमकी देकर गये। जाते-जाते वह अपनी स्कूटी होटल में छोड गये जिसके अनुसार हमलावरों में से दो की पहचान मोबाइल शॉप चलाने वाले राजेश मजूमदार व पिज्जा शॉप चलाने वाले रोमाइ रियो के रूप में हुई है।

कार से लाखों रुपये के जेवरात व नगदी से भरा पर्स चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने कार से लाखों रूपये के जेवरात व नगदी से भरा पर्स चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार जलागम प्रबन्ध निदेशालय फोरेस्ट कालोनी इन्दिरा नगर निवासी मनवीर सिंह ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बहन श्रीमती बीना प्रजापति और उसकी पत्नी श्रीमती दीपिका और वह बाजार खरीदारी करने के लिए चकराता रोड पर अपनी कार से गये थे। जब उन लोगो ने खरीदारी पूरी कर ली तो वापिस आकर देखा कि कार में रखा उसकी बहिन श्रीमती बीना प्रजापति का पर्स गायब मिला, जिसके अन्दर लगभग पचास हजार रूपये नगद, सोने के दो कडे, डायमन्ड की रिग संग कम्पनी का मोबाइल फोन जिसमे उसके समस्त पहचान पत्र (आधार कार्ड, पैन कार्ड सीजीएचसी कार्ड, डेबिट एटीएम कार्ड घर की चाबियाँ थी। जिसको किसी व्यक्ति द्वारा गाडी से चोरी कर लिया गया है।

टैटू बनवाने के बाद रखें त्वचा का ख्याल

टैटू बनवाना हर किसी को पसंद आता है लेकिन उस प्रक्रिया को करवाने में दर्द और उसके बाद उसकी देखभाल करना थोड़ा खटकता है। कई बार आपने कुछ ऐसे लोगों को देखा होगा जो टैटू बनवाने के बाद मुश्किल में पड़ गए, क्योंकि उनका टैटू पक गया या फिर उसमें किसी प्रकार का संक्रमण हो गया था। टैटू गुदवाने के बाद 90 प्रतिशत लोगों को उस जगह पर लाल रंग के चकत्ते पड़ जाते हैं। जरूरी नहीं कि आप त्वचा ही नाजुक हो या आपको रंग से एलर्जी हो, कई बार लापरवाही की वजह से भी ऐसा हो जाता है। उदाहरण से समझें कि अगर आप कलरफुल टैटू बनवाते हैं और उसके बाद उस रंग को लेकर परहेज नहीं करते हैं, कुछ भी क्रीम या साबुन लगा लेते हैं तो उसमें संक्रमण होने की संभावना रहती है।

आज बोल्डस्काई के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप टैटू बनवाने के बाद किस प्रकार देखभाल करें और अपनी त्वचा को स्वस्थ बनाएं रखें, ताकि उसमें कोई संक्रमण न होने पाएं।

किस प्रकार के साबुन का इस्तेमाल करें - टैटू गुदवाने के बाद इस बात का विशेष ख्याल रखें कि अगले कुछ समय तक आपको किस प्रकार के साबुन का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए बेहतर रहेगा कि डर्मेटोलॉजिस्ट से ही बात कर लें। टैटू एक प्रकार का खुला घाव होता है ऐसे में उस पर हर प्रकार के साबुन का इस्तेमाल करना हानिकारक होता है। ऐसे साबुन का इस्तेमाल करना आवश्यक होता है कि बैक्टीरिया से बचाव हो।

पोंछे नहीं - नहाने के बाद टैटू वाली स्कीन को कसकर पोंछे नहीं। इससे जलन या खुजली हो सकती है। खुरदुरी तौलिया भी ऐसे में नुकसानदायक होती है, ऊतकों को हानि पहुँच सकती है।

नहाने के बाद - नहाने के बाद टैटू का विशेष ध्यान रखें। किसी मुलायम कपड़े से साफ करें, गीला न रहने दें। खाल को जबरन छुडाएं नहीं।

सही लोशन लगाएं - टैटू गुदवाने के बाद मनचाहा लोशन इस्तेमाल न करें। सही और एंटीबायोटिक प्रकार का लोशन या क्रीम ही इस्तेमाल करें।

धूप से बचाएं - सूर्य का प्रकाश पड़ने से बचाएं। इससे टैटू वाली त्वचा पर लालामी हो सकती है क्योंकि पराबैंगनी किरणों का प्रभाव पड़ता है। ये किरणें, हीलिंग प्रक्रिया के लिए सही नहीं होती है।

खुजली होने पर - अगर टैटू वाली त्वचा पर खुजली होती है तो आपको सावधान होने की आवश्यकता है, ये अच्छा संकेत नहीं हो सकता है। खुजली महसूस पर करें नहीं, बल्कि क्रीम लगा लें। बेबी ऑयल लगाएं, ये सबसे सही रहता है। ज्यादा समस्या होने पर डॉक्टर को दिखाएं।

पानी से दूर रखें - पूल या सोना बॉथ से दूर रहें। पानी में ज्यादा समय तक टैटू वाली त्वचा को भिगोकर न रखें। गुनगुने पानी से स्नान करना ज्यादा सही रहता है।

अक्षय ओबेरॉय फाइटर में वेपन सिस्टम ऑपरेटर बशीर खान के रोल में दिखेंगे

फिल्म फाइटर के धमाकेदार टीजर के बाद इंटरनेट तूफान आ गया, जिसने देश भर में जोश पैदा कर दिया है। दर्शकों को फाइटर की आकर्षक दुनिया में ले जाते हुए मेकर्स ने अब फिल्म से अक्षय ओबेरॉय को वेपन सिस्टम ऑपरेटर बशीर खान के रूप में पहले कभी न देखे गए अवतार में पेश किया है।

इस तस्वीर में अक्षय ओबेरॉय पूरी तरह से वेपन सिस्टम ऑपरेटर बशीर खान के किरदार में हैं, जिन्हें बैश के नाम से जाना जाता है। वह प्रतिष्ठित एयर ड्रैगन्स यूनिट के भीतर कुशल हथियार सिस्टम ऑपरेटर हैं। अक्षय की अदाकारी ने कहानी को फ्रेश एनर्जी से भर दिया है, जिससे और भी गहराइया मिलती है।

सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में और वायाकॉम18 स्टूडियोज और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के सहयोग से प्रस्तुत फाइटर एक सिनेमाई अनुभव है जो एक्शन स्टोरीटेलिंग में क्रांति लाने के लिए तैयार है। यह फिल्म दिल दहला देने वाले एक्शन सीन्स को देशभक्ति के उत्साह के साथ सहजता से पेश करती है, जो एक ऐसे गहन अनुभव का वादा करती है जो दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएगा। फाइटर 25 जनवरी 2024 रिलीज होने वाली है।

सर्दी में संतरा खाने का यह है सही वक्त...!

संतरा को सर्दी का सबसे बेस्ट फल माना जाता है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है। जो आपकी इम्युनिटी को मजबूत रखता है।

हेल्थ एक्सपर्ट अक्सर यह बात कहते हैं कि खासकर सर्दी में आपकी इम्युनिटी कमजोर होगी तो आप जल्दी-जल्दी कोल्ड-कफ का शिकार हो जाएंगे। आजकल ज्यादातर लोग ब्रेकफास्ट में संतरे का जूस पीना पसंद करते हैं। क्योंकि कहते हैं दिन की शुरुआत हेल्दी ब्रेकफास्ट के साथ करनी चाहिए। संतरा का स्वाद हल्का मीठा और खट्टा होता है जिसके कारण इसे पीते ही बहुत ही फ्रेश महसूस होता है। लेकिन सवाल यह है कि ठंड के मौसम में संतरा खाने या उसके जूस पीने का कौन सा सही वक्त होता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अगर आप बेवक्त संतरे का जूस पी लेंगे तो पेट में गैस, कब्ज की परेशानी हो सकती है। आज इस आर्टिकल के जरिए आपको संतरे खाने का सही वक्त बताएंगे। ताकि इससे आपके शरीर को ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचे।

सर्दी में संतरा खाने का सही वक्त

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक अगर आप संतरा खाना बेहद पसंद करते हैं तो इसे आप कभी भी खाली पेट या रात के वक्त न खाएं। आप कोशिश करें कि जब भी आप संतरा या उसका जूस पिएं तो दोपहर के वक्त पिएं। खाली पेट संतरा खाने या जूस पीने से एसिड रिफ्लैक्स होने लगता है। यह फल इम्युनिटी बूस्ट तो करती ही है लेकिन गलत वक्त पर खा लेंगे तो यह गैस की समस्या पैदा करेगी।

डायरेक्ट संतरा खाने या जूस पीने से स्किन काफी ज्यादा हेल्दी रहता है। क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है। यह ग्लोइंग स्किन के लिए काफी अच्छा होता है साथ ही पेट भी अच्छा रहता है।

आंखों के लिए अच्छा होता है संतरा

अगर आप विंटर में रेग्युलर संतरा खाते हैं तो इसका असर आपको 1 सप्ताह के अंदर दिख जाएगा। क्योंकि इसमें फाइबर की मात्रा काफी अधिक होती है। जिसकी वजह से इसे खाने के बाद पेट भरा हुआ लगता है। संतरा आंखों के लिए काफी अच्छा और फायदेमंद होता है। जिन लोगों की आंखें कमजोर हैं उन्हें तो संतरा या नींबू बिल्कुल खाना चाहिए।

क्या सर्दी के मौसम में ज्यादा संतरे खाने से कोई नुकसान होता है?

संतरा आमतौर पर स्वास्थ्यवर्धक होता है, लेकिन इसके अत्यधिक सेवन से फाइबर की मात्रा के कारण पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, साइट्रस एलर्जी या किडनी की समस्याओं जैसी कुछ चिकित्सीय स्थितियों वाले व्यक्तियों को इसका सेवन कम करना चाहिए।

किन लोगों को संतरा नहीं खाना चाहिए?

जिन लोगों को किडनी और लिवर की बीमारी है उन्हें संतरा नहीं खाना चाहिए। क्योंकि संतरे में पोटेशियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है। साइट्रस एलर्जी वाले लोगों को हर रोज संतरा खाना चाहिए। हमेशा किसी स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर से परामर्श लें।

पर पेट्रोल, कोयला ईधन क्या खत्म होगा?

श्रुति व्यास

सीओपी28 जलवायु सम्मेलन में एक समझौता मंजूर हुआ है। इसमें दुनिया को तेल, गैस और कोयले जैसे फॉसिल फ्यूल से दूर रहने का स्पष्ट आव्हान है। समझौते के समर्थकों का दावा है कि इससे पहली बार देश फॉसिल फ्यूल्स का उपयोग बंद करेंगे ताकि जलवायु परिवर्तन के भयावह नतीजों से पृथ्वी बच सके।

संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में हुए इस सम्मेलन में दो हफ्ते जोरदार बहस हुई। अंत में समझौते पर सहमति बनी। जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों से जिन देशों को सबसे ज्यादा खतरा है, उन्होने और यूरोपीय नेताओं ने समझौते में फॉसिल फ्यूल्स के उपयोग को पूर्णत- समाप्त करने की मांग की थी। लेकिन बड़े तेल निर्यातक देशों जैसे सऊदी अरब और ईराक के साथ ही भारत और नाईजीरिया जैसे तेजी से प्रगति कर रहे देशों ने इसका विरोध किया।

अंत में जो मसविदा तैयार हुआ उसमें चरणबद्ध तरीके से हटाने और चरणबद्ध ढंग से घटाने जैसे शब्दों का उपयोग करने के बजाए फॉसिल फ्यूल्सन से ''दूर जाने की बात कही गई।

समझौता संयुक्त अरब अमीरात की एक कूटनीतिक विजय है। इस समझौते को यूएई सर्वसम्मति कहा जा रहा है। बातचीत में मुख्य भूमिका निभाने वाले सुल्तान अल जबेर, जो अमीरात के अधिकारी हैं और तेल उद्योग से जुड़े हुए हैं, ने सम्मेलन में फॉसिल फ्यूल्स का उपयोग धीरे-धीरे समाप्त करने को 'अपरिहार्य" बताया।उन्होने अपनी प्रतिष्ठा को दांव पर लगाया और लॉबिग की।उन्ही की वजह से तेल उत्पादक देश एक नए और बड़े जलवायु परिवर्तन समझौते पर हस्ताक्षर के लिए राजी हुए।

हालांकि यह समझौता वैधानिक दृष्टि से बाध्यकारी नहीं है और अपने आप में किसी देश को कार्यवाही करने के लिए बाध्य नहीं करता। मगर कई राजनीतिज्ञ, पर्यावरणविद और उद्योग जगत की हस्तियों को उम्मीद है कि इससे नीति-निर्माताओं और निवेशकों को यह सन्देश जायेगा कि फॉसिल फ्यूल्स के अंत की शुरुआत हो गयी है। अगले दो वर्षों में हर देश को इस बारे में एक विस्तृत और औपचारिक योजना प्रस्तुत करनी है कि वे 2035 तक ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कैसे कम करेंगे। बुधवार को हुआ समझौता इन योजनाओं के लिए मार्गदर्शक का काम करेगा।

यह तो वक्त ही बताएगा कि विभिन्न देश इस समझौते का पालन करते हैं यह नहीं। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री तक सीमित रखा जाना है तो इस दशक के अंत तक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में 43 प्रतिशत की कमी लानी होगी। अगर यह सीमा पार हो गयी तो दुनिया को समुद्रतल के बढ़ते स्तर, जंगलों में भयावह आग, तूफानों और सूखे का सामना करना पड़ेगा।

जलवायु नियंत्रण के मसले में न्याय के हिमायती लोगों का कहना है कि समझौता उतना निष्पक्ष नहीं है जितना होना चाहिए। छोटे द्वीपों के देशों के गठबंधन का कहना है कि समझौते में जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए दुनिया की दिशा में बदलाव के लिए वैश्विक स्तर पर जो किया जाना है, उसमें उपयुक्त संतुलन नहीं है। इन देशों में से कई समुद्रतल का स्तर बढने से पानी में समा सकते हैं।

यद्यपि समझौते की तारीफ हो रही हैं मगर वैज्ञानिकों, जलवायु कार्यकर्ताओं और आलोचकों के अनुसार इसमें बहुत सी कमियां हैं और ढेर सारी खोखली बातें हैं। बहुत सी समस्याएं भी हैं। विकासशील देशों को कोयले, तेल और गैस का इस्तेमाल बंद या कम करने के लिए करोड़ों डॉलर की मदद की ज़रुरत होगी। विकसित देश और तेल उत्पादक उतनी तेजी से सही दिशा में आगे नहीं बढ़ेगें जितनी तेजी से वैज्ञानिकों के अनुसार उन्हें बढना चाहिए। अमेरिका बहुत आसानी से अपनी जिम्मेदारियों से बच निकला है। उसने गरीब देशों को केवल 20 मिलियन डॉलर देने का वचन दिया है और वह दुनिया का सबसे बड़ा आयल और गैस उत्पादक बना रहेगा। चीन अपना कोयला और रिन्यूएबल एनर्जी दोनों का उत्पादन बढ़ाता रहेगा। भारत के कोयला उद्योग को भी कोई डर या खतरा नहीं है।

गर्मी बढ़ती जा रही है और 1.5 डिग्री की सीमा पास आती जा रही है। सरकारों को अपने वायदे पूरे करने चाहिए और यह समझना चाहिए कि फॉसिल फ्यूल्स के युग का अंत आ चुका है। मगर असल में होगा क्या यह आप और मैं दोनों जानते हैं

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

लंबे समय तक खांसी नहीं हो रही है ठीक तो जानें इसका कारण कहीं ये तो नहीं...

खांसी एक आम समस्या है जो हमें सर्दी-जुकाम, एलर्जी या अन्य कारणों से हो जाती है। अक्सर यह एक सप्ताह या दो सप्ताह में अपने आप ठीक हो जाती है। लेकिन कभी-कभी खांसी लंबे समय तक बनी रहती है, और इसे ठीक करना मुश्किल हो जाता है।अगर आपको तीन सप्ताह से अधिक समय से खांसी है और यह बंद नहीं हो रही है तो समझ जाइए कि यह सामान्य खांसी नहीं है। लंबे समय तक रुक-रुक कर खांसी आने के कई कारण हो सकते हैं। कुछ गंभीर बीमारियों के कारण भी खांसी लंबे समय तक ठीक नहीं होता है आइए जानते हैं उन बीमारियों के बारे में ।

वायरल इन्फेक्शन

वायरल इन्फेक्शन लंबे समय तक रहने वाली खांसी का सबसे आम कारण है। जब हमें सामान्य सर्दी-खांसी होती है तो यह वायरस के कारण होती है। अक्सर एक सप्ताह या दो सप्ताह में यह खत्म हो जाती है लेकिन कभी-कभी वायरस 3 से 4 हफ्तों तक बना रह सकता है और खांसी को बरकरार रख सकता है। ऐसे में हल्के बुखार, सर्दी-खांसी जैसे लक्षण भी बने रहते हैं। यदि आराम और दवाओं के बावजूद भी खांसी 3 से 4 हफ्तों से ज्यादा हो तो एक बार डॉक्टर से परामर्श जरूर लें।

बैक्टीरियल इन्फेक्शन

कई बार बैक्टीरिया के कारण भी लंबे समय तक खांसी रह सकती है। ब्रोंकाइटिस और प्न्यूमोनिया जैसे फेफड़ों के बैक्टीरियल इन्फेक्शन हमें 2-3 हफ्ते से भी ज्यादा समय तक परेशान कर सकते हैं। इन बीमारियों में लगातार खांसी रहती है, साथ ही सांस लेने में तकलीफ, बुखार और शरीर में दर्द भी हो सकता है।अगर आपको ऐसे लक्षण 2 सप्ताह से ज्यादा हैं तो तुरंत डॉक्टर से मिलें। सही एंटीबायोटिक्स का कोर्स लेने से बैक्टीरियल खांसी ठीक हो सकती है।

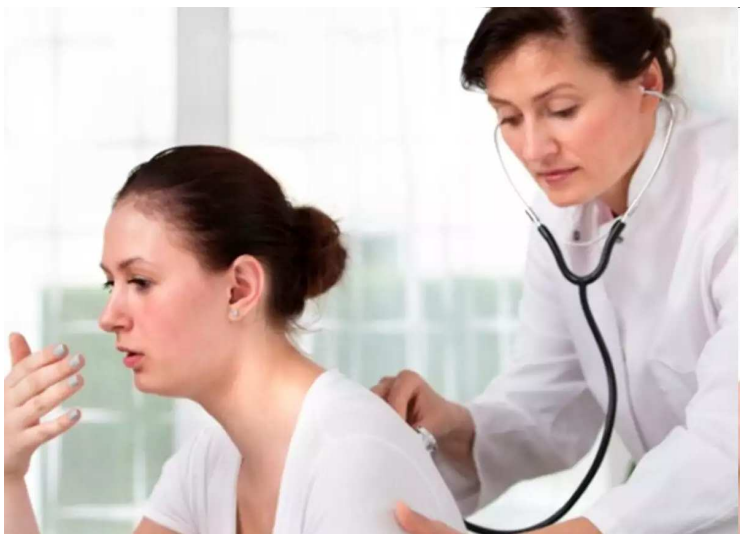

गैस्ट्रोइसोफेजियल रीफ्लक्स रोग

गैस्ट्रोइसोफेजियल रीफ्लक्स रोग यानि जीईआरडी खांसी और एसिडिटी का एक आम कारण है। यह पेट के अम्ल और पाचन रसों के गले में चले जाने से होता है, जिससे लगातार खांसी और सीने में जलन की समस्या होती है। जीईआरडी में खाने के बाद, झुकते वक्त या लेटते समय अकसर खांसी और जलन शुरू हो जाती है। यह एक लंबे समय तक चलने वाली बीमारी है। अगर ज्यादे दिन तक खांसी बनी रहे तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

एलर्जी

कई लोगों को आस-पास के वातावरण से एलर्जी होती है, जैसे - धूल-कण, पशु-पक्षियों की बालों आदि से। कई बार एलर्जी से होने वाली खांसी कई हफ्तों तक रह सकती है। इसलिए एलर्जी टेस्ट करवाकर खांसी के कारणों का पता लगाना जरूरी हो जाता है।

अस्थमा

अस्थमा में लगातार 3-4 हफ्तों तक रुक-रुक कर खांसी रहती है। साथ ही सीने में जकडन और सांस लेने में परेशानी हो सकती है। इसलिए अगर आपको ऐसे लक्षण नजर आ रहे हैं तो एक बार अपने डॉक्टर से संपर्क करें।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -037

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

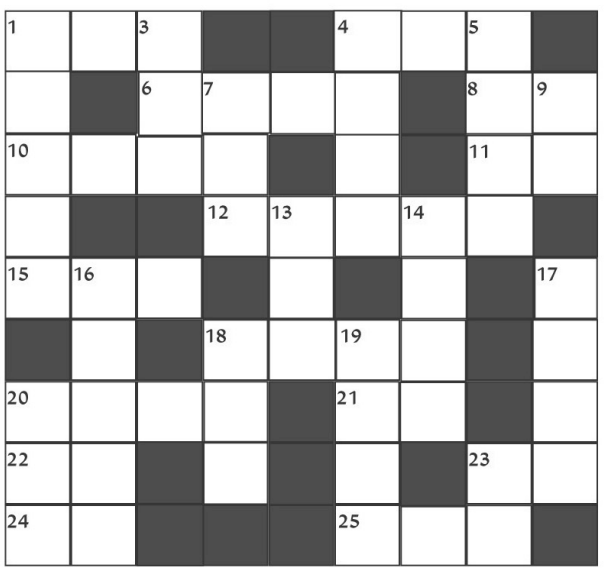

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 36 का हल

स्मृ	ति		पा	व	क		बे	ल
	र	ज	नी	च	र			ट्टू
मु	स्का	न		न	म	की	न	
सा	र		स			ट	ख	ना
फि		अ	जा	य	ब		रा	जा
र	च	ना		था	ल			य
		धि		र्थ		स	मा	ज
उ	प	कृ	त		आ	वा	ज	
ल्लू		त			ब	ल	रा	म

कश्मीरा परदेशी को द फ्रीलांसर् द कन्क्लूजन के लिए समुद्र में शूटिंग करना दर्दनाक लगा

अभिनेत्री कश्मीरा परदेशी ने उस दृश्य को याद किया जहां वह द फ्रीलांसर् द कन्क्लूजन के लिए समुद्र में शूटिंग कर रही थीं और इसे दर्दनाक बताया।

कश्मीरा ने कहा् सबसे चुनौतीपूर्ण दृश्य निष्कर्षण का हिस्सा था, जिसे समुद्र में शूट किया गया था जहां हम एक स्पीड बोट पर कूद गए थे। उस दिन, पानी अप्रत्याशित रूप से उग्र था, जिससे हमें सावधान रहना पड़ा। मानसिक रूप से तूफानी समुद्र के लिए तैयार नहीं था, यह एक था थोड़ा डरावना था, और हम सभी भीग गए। वह सबसे दर्दनाक दृश्य था!

डिज़्नी+ हॉटस्टार शो के दूसरे सीजन् में, अविनाश कामथ अपने निष्कर्षण मिशन के अंतिम चरण पर निकलते हैं। यह सीरीज शिरीष थोराट की किताब ए टिकट टू सीरिया पर आधारित है, जिसका निर्देशन भाव धूलिया ने किया है।

15 दिसंबर को रिलीज हुई इस फिल्म में मोहित रैना, अनुपम खेर, सुशांत सिंह, जॉन कोककेन, गौरी बालाजी और नवनीत मलिक, मंजिरी फडनिस और सारा जेन डायस भी हैं।

नए फोटोशूट में इतराई मौनी रॉय, रिवीलिंग गाउन में फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

मौनी रॉय अपनी फिल्मों और किसी टीवी शोज से ज्यादा लुक्स और स्टाइलिश अदाओं के कारण चर्चा में रही हैं. मौनी भी फैंस के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. अक्सर उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक उनके इंस्टाग्राम पेज पर देखने को मिल जाती है. ऐसे में उनके फॉलोअर्स की लिस्ट भी काफी लंबी हो चुकी है, जो उनके हर नए लुक को देखने के लिए बेताब रहते हैं. अब फिर से मौनी ने अपना सिजलिंग अंदाज दिखाया है.

मौनी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक दिखाई है. तस्वीरों में उन्होंने साइड कट डीपनेक मल्टीशेड सीक्वेंस वाला गाउन पहने हुए देखा जा रहा है.

एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को सटल शाइनी बेस, न्यूड पिंक लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है. इस लुक के साथ उन्होंने अपने बालों को वेवी टच देकर ओपन रखा हुआ है.

मौनी ने अपने इस किलर को कैमरे के सामने फ्लॉन्ट करते हुए एक से एक स्टनिंग पोज दिए हैं. एक्ट्रेस हमेशा की तरह इस लुक में भी बेहद खूबसूरत और हॉट दिख रही हैं. मौनी की गॉर्जियस अदाओं के साथ-साथ लोग उनके कर्वी फिगर पर भी दिल हार बैठे हैं. एक्ट्रेस का ये नया लुक भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल होने लगा है. दूसरी ओर मौनी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह कम ही प्रोजेक्ट्स के लिए साइन कर रही हैं. काम के साथ-साथ एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को भी पूरा वक्त दे रही हैं. अक्सर उन्हें पति सूरज नाम्बियर के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करते हुए देखा जा रहा है. वहीं, जल्द ही मौनी द वर्जिन ट्री टाइटल से बन रही फिल्म में भी नजर आने वाली हैं.

भूमि पेडनेकर ने दिखाया स्टाइल, स्वैग में दिए कैमरे के सामने पोज

भूमि पेडनेकर पिछले कुछ समय से लगातार किसी न किसी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने अपनी जबरदस्त अदाकारी के दम पर को पहले ही दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीता है। वहीं, कुछ वक्त से एक्ट्रेस ने अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश अदाओं का जादू भी लोगों पर खूब चलाया है। अब फिर से भूमि का नया फोटोशूट फैंस के बीच काफी वायरल होने लगा है।

लेटेस्ट फोटोशूट के लिए भूमि ने ऑरेंज फुल स्लीव्स लॉन्ग विंटर टॉप और ब्लैक स्टॉकिंग्स कैरी की है। इस लुक को उन्होंने ब्लैक हाई हील्स के साथ पेयर किया है। उन्होंने अपने इस गॉर्जियस लुक को सटल बेस, न्यूड ग्लॉसी लिप्स और न्यूड आई मेकअप से कंप्लीट किया है।

इसके साथ उन्होंने अपने बालों का बन बनाकर बांधा हुआ है। वहीं, उनके चेहरे पर बिखरी जुल्फें उन्हें और खूबसूरत बना रही हैं। भूमि ने एक्सेसरीज के तौर पर कानों में व्हाइट ईयररिंग्स पहने हैं।

भूमि इस लुक में बेहद खूबसूरत और स्टनिंग दिख रही हैं। उन्होंने अदाएं दिखाते हुए कैमरे के सामने एक से एक किलर पोज दिए हैं। एक्ट्रेस ने एक फोटो कार्टून स्कूबी डूबी डू के कैरेटर की भी शेयर की है, जिसकी लुक काफी हद तक भूमि के इस नए लुक से मैच कर रहा है। अब फैंस के बीच एक्ट्रेस का ये नया लुक भी काफी वायरल हो रहा है। फैंस ने उनकी तारीफें करते हुए एक के बाद एक कई कमेंट्स किए हैं। दूसरी ओर भूमि के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस लगातार कई बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए साइन कर रही हैं। जल्द ही उन्हें भक्षक टाइटल से बन रही फिल्म में देखा जाने वाला है। इसके बाद वह मेरी पत्नी के रीमेक पर बन रही फिल्म में भी नजर आने वाली हैं। फैंस भूमि को एक बार फिर नए अंदाज में पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं।

महेश बाबू की फिल्म गुंटूर करम से ओह माय बेबी गाना हुआ रिलीज़

अपने दूसरे एकल रिलीज़ के साथ नवीनतम संगीतमय रत्न, गुंटूर करम के हार्दिक सार की खोज करें। ओह माय बेबी का गीत वीडियो अब आपकी उंगलियों पर है, जो आपको मंत्रमुग्ध कर देने वाली धुनों और रोमांटिक वाइब्स की दुनिया में आमंत्रित कर रहा है। यह संगीतमय उत्कृष्ट कृति फिल्म गुंटूर करम से ली गई है, जिसमें करिश्माई जोड़ी महेश बाबू और श्रीलीला के साथ-साथ मंत्रमुग्ध करने वाली मीनाक्षी चौधरी भी हैं।

उस्ताद थमन एस द्वारा सटीकता से तैयार की गई, ओह माई बेबी की रचना उनकी संगीत कौशल का एक प्रमाण है। शिल्पा राव की दिल को छू लेने वाली आवाज़ गाने में भावनाओं की एक अतिरिक्त परत जोड़ती है, जिससे एक मनोरम सिम्फनी बनती है जो प्यार और रोमांस के साथ गूंजती है। जैसे ही आप सुनते हैं, एक ऐसे क्षेत्र में ले जाने के लिए तैयार रहें जहां भावनाओं को संगीत के माध्यम से खूबसूरती से व्यक्त किया जाता है।

प्रतिभाशाली त्रिविक्रम के निर्देशन में यह फिल्म एक दृश्य और श्रवण का वादा करती है, जो इसके कलाकारों के शानदार प्रदर्शन से और भी बढ़ जाती है। सुपर स्टार महेश बाबू, श्रीलीला और मीनाक्षी चौधरी अपने किरदारों को जीवंत बनाते हैं, अपनी निर्विवाद ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के साथ सिनेमाई अनुभव को बढ़ाते हैं।

गुंटूर करम का जादू अभिनेताओं और दृश्यों से परे तक फैला हुआ है; यह प्रत्येक नोट और गीत में जटिल रूप से बुना गया है। विपुल सरस्वती पुत्र रामजोगय्या शास्त्री द्वारा लिखे गए गीतों की शिल्पा राव की प्रस्तुति गीत के भावनात्मक भागफल को बढ़ाती है, एक संगीतमय यात्रा का निर्माण करती है जो श्रोताओं के दिलों में बस जाती है।

जैसे ही आप ओह माई बेबी के गीत वीडियो में गहराई से उतरते हैं, माधुर्य और भावनाओं का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण आपको घेर लेता है। चाहे आप भावपूर्ण धुनों के प्रशंसक हों या एक अच्छी तरह से तैयार किए गए प्रेम गीत की सराहना करते हों, यह संगीतमय प्रस्तुति एक अमिट छाप छोड़ने के लिए बाध्य है। जब गुंटूर करम सिल्वर स्क्रीन पर आएगी, तो संपूर्ण सिनेमाई अनुभव के लिए हमारे साथ बने रहें।

प्यार, दोस्ती और कठिनाई के विषयों पर आधारित है सीरीज देहाती लडके

कुशा कपिला, शाइन पांडे, राघव शर्मा स्टारर देहाती लडके शो दोस्ती, पहले प्यार और जीवन की कठिनाइयों के विषयों की पड़ताल करता है। यह सबसे ज्यादा बिकने वाले हिंदी उपन्यास देहाती लडके पर आधारित है, जिसमें तनीश नीरज, सौम्या जैन और आसिफ खान भी हैं।

शो हमें रजत की आत्म खोज की कहानी से रूबरू कराता है, जब वह यूपीएससी परीक्षा पास करने के अपने सपने को पूरा करने के लिए एक गांव से बड़े शहर में जाता है। यह रजत की अपनी स्वतंत्रता की खोज करने और अपने दिल की बात मानने की यात्रा का वर्णन करता है क्योंकि वह नए दोस्त बनाता है, पहले प्यार का अनुभव करता है और अपने परिवार के दबाव को कम करते हुए और अपने लक्ष्य के प्रति सच्चे रहता हुए अपना जीवन पूरी तरह से जीना चाहता है।

जीवन में आने वाली कई चुनौतियों के साथ, देहाती लडके में दिखाया गया है कि शहर की रोशनी की चकाचौंध के बीच रजत का संयमित जीवन कैसे आकार लेता है। श्रृंखला के बारे में बात करते हुए कुशा ने बताया, घर से हॉस्टल तक की यात्रा हमेशा हजारों कहानियां और यादें लेकर आती है। देहाती लडके एक ऐसी विशेष कहानी है जो निश्चित रूप से दर्शकों को पसंद आएगी।

सुखी फेम अभिनेत्री ने कहा कि कॉलेज जीवन का पहला साल कई भावनाओं से भरा होता है, जिसमें जिज्ञासा और उभरते प्यार से लेकर परीक्षा का तनाव और दोस्तों के साथ एक मजेदार रात शामिल है।

मसाबा मसाबा फेम ने कहा, रजत की यात्रा भी अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए नई और अनदेखे भावनाओं का अनुभव करने जैसी है। मेरा किरदार छाया एक आधुनिक और उदार महिला है जो रजत के अनदेखे पक्ष को सामने लाती है।

शो का हिस्सा बनने के बारे में अपना उत्साह साझा करते हुए शाइन ने कहा, देहाती लडके उन सभी को समर्पित है जो एक छोटे शहर से एक नए शहर में अपनी पहचान खोजने की कोशिश में आते हैं। रजत एक सरल और मासूम लडका है जो तेज दिमाग का है लेकिन उसके पास बड़े शहर के जीवन के कई अनुभवों का अभाव है। यह सीरीज आप अमेजन मिनीटीवी पर देख सकते है।

ईवीएम पर कांग्रेस तब लड़े निर्णायक लड़ाई!

अजीत द्विवेदी

इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के कई नेता अलग अलग तथ्यों और तर्कों के आधार पर ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस और उसके समर्थकों की ओर से प्रसारित व्हाट्सऐप फॉरवर्ड भी घूम रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि गुजरात के वडोदरा की पादरा नगरपालिका चुनाव में ईवीएम की मदद से जनादेश लूटने की शुरुआत हुई थी। बताया जा रहा है कि निगम चुनाव में एक बूथ पर 44 वोट पड़े थे, लेकिन ईवीएम में 111 यानी उससे ढाई गुना ज्यादा वोट दर्ज हुए। उसी व्हाट्सऐप फॉरवर्ड में यह भी बताया जा रहा है कि कांग्रेस की शिकायत पर अमुक नंबर की ईवीएम की जांच हुई तो पाया गया कि किसी भी उम्मीदवार के नाम के सामने बटन दबाने पर भाजपा को वोट जाता था। एक अन्य व्हाट्सऐप फॉरवर्ड में दावा किया जा रहा है कि मध्य प्रदेश में मतगणना के समय कितने ईवीएम की बैटरी 99 फीसदी चार्ज थी। इस आधार पर दावा किया जा रहा है कि 10 घंटे वोटिंग के बाद बैटरी इतना चार्ज नहीं रह सकती थी। इसका मतलब है कि मशीन बदली गई। एक दूसरे व्हाट्सऐप फॉरवर्ड में ईवीएम का समर्थन करने वालों का मजाक उड़ाते हुए तंज किया जा रहा है कि एपल का फोन हैक हो सकता है, सुरक्षा संस्थानों-बैंकों के कंप्यूटर हैक हो सकते हैं, गाडियां हैक की जा सकती हैं लेकिन ईवीएम हैक नहीं किया जा सकता है। 19 लाख ईवीएम गायब होने की बात बरसों से चल रही है। व्हाट्सऐप फॉरवर्ड में किए गए दावे सही हो सकते हैं और गलत भी हो सकते हैं लेकिन ऐसा लग रहा है कि इनको कांग्रेस के नेता अपनी हार के जख्म पर मल्हम की तरह लगा रहे हैं।

व्हाट्सऐप फॉरवर्ड के अलावा कांग्रेस की ओर से आधिकारिक रूप से ईवीएम पर सवाल उठाए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक के बाद एक कई पोस्ट डाली गई, जिसमें लिखा गया, 'लोकतंत्र फेल हुआ, ईवीएम में खेल हुआ', 'ईवीएम की बात करो तो बीजेपी तड़प उठती है, आखिर ये कौन सा रिश्ता हैक''भरोसा टूट रहा है, कोई जनमत लूट रहा है', 'ईवीएम जीत गया, आपका मत हार गया' आदि। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने चुनाव के तुरंत बाद पोस्टल बैलेट में कांग्रेस की बढ़त के आधार पर यह सवाल उठाया कि पोस्टल बैलेट में भाजपा से इतना आगे होने के बावजूद ईवीएम के वोट में कांग्रेस इतने बड़े अंतर से कैसे हारीक एक व्हाट्सऐप फॉरवर्ड में यह भी दावा किया गया है कि पोस्टल बैलेट में कांग्रेस मध्य प्रदेश की 230 में से 190 सीटों पर आगे थी। हालांकि ऐसा कोई भी दावा राजस्थान, छत्तीसगढ़ या दूसरे राज्य को लेकर नहीं किया जा रहा है। अगर मध्य प्रदेश के नेताओं खास कर दिग्विजय सिंह, कमलनाथ के सोशल मीडिया हैंडल को देखें तो उस पर बड़ी संख्या में ईवीएम से जुड़ी खबरें शेयर की जा रही हैं। उसमें बताया जा रहा है कि क्यों नीदरलैंड ने ईवीएम पर पाबंदी लगा दी या कहां कहां ईवीएम से क्या गड़बड़ी हुई है। कोई भाजपा के राज्यसभा सांसद जीवीएल नरसिम्हा की ईवीएम पर लिखी किताब पढने की सलाह दे रहा है, कोई लालकृष्ण आडवाणी द्वारा ईवीएम पर उठाए गए सवालों का हवाला दे रहा है तो कोई ईवीएम बनाने वाली भारत सरकार की कंपनी बीईएल के इंजीनियरों के हवाले से बता रहा है कि कंपनी सिर्फ ईवीएम नहीं बनाती है, बल्कि पूरी चुनाव प्रक्रिया में शामिल होती है।

सो, अब सवाल है कि ईवीएम के जरिए जनमत लूटने की जो बात मध्य प्रदेश कांग्रेस की ओर से आधिकारिक रूप से कही जा रही है या मध्य प्रदेश के कांग्रेस नेता जो दावे कर रहे हैं क्या कांग्रेस आलाकमान उससे सहमत हैक और सबसे बड़ा सवाल है कि कांग्रेस इस मामले को कहां तक ले जाएगीक इन सवालों के जवाब कांग्रेस को देने हैं लेकिन उससे पहले समझ लेना होगा कि कांग्रेस ईवीएम के मसले को हिट एंड रन के अंदाज में नहीं इस्तेमाल कर सकती है क्योंकि इससे उसको नुकसान हो रहा है। हर चुनावी हार के बाद कांग्रेस के नेता जब ईवीएम में गड़बड़ी का दावा करते हैं या कह कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा ईवीएम की मदद से जनमत लूट ले रही है तो इसका बड़ा असर कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के मनोबल पर होता है। उनके मन में धीरे धीरे यह धारणा बैठती जा रही है कि वे मोदी और शाह की कमान वाली भाजपा से नहीं लड़ सकते हैं या उनको नहीं हरा सकते हैं। कांग्रेस के कई नेता यह कहते मिल रहे हैं कि भाजपा वहीं हार रही है जहां वह हारना चाहती है। यानी कर्नाटक, तेलंगाना या कुछ अन्य राज्यों में वह नहीं जीती तो इसलिए कि वह जीतना नहीं चाहती थी ताकि लोगों का चुनावी प्रक्रिया पर भरोसा बना रहे। इस तरह की धारणा मन में बैठने का नतीजा यह है कि बड़ी संख्या में नेता पार्टी छोड़ रहे हैं या छोडने की सोच रहे हैं। उनको लग रहा है कि जब लड़ कर भाजपा को नहीं हरा सकते हैं तो लडने की क्या जरुरत है। यह सोच कांग्रेस और समूचे विपक्ष को बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है।

तभी इस तरह हर चुनाव के बाद ईवीएम पर सवाल उठा कर या कभी-कभार ईवीएम में गड़बड़ी हो सकने की संभावना पर प्रेस कांफ्रेंस करके चुनाव आयोग को ज्ञापन देने की औपचारिकता निभाने की बजाय कांग्रेस पूरी तरह से चुप रहे, ईवीएम के जनादेश को स्वीकार करे और दावा करके कि उसके प्रयासों की वजह से ईवीएम से भारत में चुनाव हो रहे हैं या फिर निर्णायक लड़ाई लड़े। वह ऐलान कर दे कि उसे ईवीएम पर भरोसा नहीं है, उसे हैक किया जा रहा है, जनमत चुराया जा रहा है, आदिवासी, दलित, पिछड़ों, महिलाओं को उपलब्ध एकमात्र संवैधानिक हथियार को उनसे छीना जा रहा है इसलिए जब तक बैलेट पेपर से चुनाव नहीं होंगे, तब तक कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ेगी। अगर दूसरी पार्टियां इस अभियान में शामिल होती हैं तो ठीक है अन्यथा कांग्रेस यह काम अकेले करे। अगर वह तुरंत ऐसा नहीं करती है तो बहुत देर हो जाएगी। फिर कोई उसकी बात पर यकीन नहीं करेगा। भाजपा की ओर से यह धारणा बनवाई जा रही है कि कांग्रेस अपने शीर्ष नेताओं यानी गांधी परिवार की साख बचाने के लिए ईवीएम पर ठीकरा फोड़ती है। यह बात अगर आम लोगों के दिल-दिमाग में बैठ गई तो फिर कांग्रेस बाद में चुनाव बहिष्कार करेगी तब भी लोगों पर असर नहीं होगा।

चुनाव बहिष्कार की राय से असहमत लोगों का कहना है कि लोकतंत्र में अगर चुनाव नहीं लड़ेंगे तो आम लोगों की आवाज कैसे उठाएंगे या आम लोगों की लड़ाई कैसे लड़ेंगेक लेकिन यह बहुत बचकानी बात है। क्योंकि आम जनता की लड़ाई लडने के लिए संसद या विधानसभाओं में बैठना जरूरी नहीं होता है। आम जनता और संविधान की रक्षा की लड़ाई सडक पर लड़ी जा सकती है। राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि सडकें सूनी हो जाएंगी तो संसद आवारा हो जाएगी। आज सडकें सूनी हो गई हैं। कहीं कोई राजनीतिक आंदोलन होता नहीं दिख रहा है, जबकि सबने देखा कि कैसे सडक पर बैठ कर किसानों ने सर्वशक्तिशाली सरकार को झुका दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन विवादित कृषि कानून संसद के अंदर के किसी दल के दबाव में वापस नहीं लिए, बल्कि सडक पर बैठे किसानों के दबाव में वापस लिए। इसलिए अपने 44 या 52 सांसदों के दम पर कांग्रेस संसद के अंदर जो काम नहीं कर पा रही है क्या पता वह अपने 11 करोड़ मतदाताओं की ताकत के दम से सडक पर उतर के कर दे!

डॉक्टर लोहिया ने कांग्रेस विरोध की सारी लड़ाई सडक पर रह कर लड़ी थी। वे तो सिर्फ दो बार सांसद बने थे वह भी कुल मिला कर चार साल के लिए। पहले 1963 के एक उपचुनाव में चार साल के लिए वे जीते थे। फिर 1967 में जीते लेकिन जल्दी ही उनका निधन हो गया। लेकिन लोहिया ने सडक पर आंदोलन करके गैर कांग्रेसवाद को स्थापित किया। उनके प्रयासों से पहली बार 1967 में देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से देश में पहली गैरकांग्रेस सरकार बनी थी लेकिन वे खुद कभी संसद में नहीं गए। सो, कांग्रेस अगर संकल्प करे तो चुनाव का बहिष्कार कर ईवीएम की निर्णायक लड़ाई लड़ सकती है और जहां तक जनता की लड़ाई की बात है तो सबको पता है कि वह सडक पर ही लड़ी जाती है। संसद तो अब और भी जनता के सरोकारों से दूर होती जा रही है।

सू- दोकू क्र.037

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.36 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

भारत की बढ़ती चुनौतियां

निज्जर- पन्नूं मामलों में भारत के खिलाफ माहौल कनाडा और अमेरिका की सरकारों ने बनाया है। चुनौती उन सरकारों के सामने उनकी धारणाओं को गलत साबित करने की है। वरना, इससे संबंधित खबरें हर कुछ अंतराल पर मीडिया में आती रहेंगी और मुद्दा गरमाया रहेगा।

खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नूं के मामले में एक अमेरिकी वेबसाइट की ताजा खबर का फुर्ती से खंडन कर भारत ने उचित कदम उठाया है। लेकिन असल चुनौती अमेरिकी अधिकारियों को यह भरोसा दिलाने की है कि अमेरिका और कनाडा स्थित खालिस्तानी उग्रवादियों की हत्या की योजना में भारत सरकार का कोई हाथ नहीं है। ये खबर अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन के निदेशक की भारत यात्रा से ठीक पहले छापी गई। इसमें दावा किया गया कि भारत सरकार की ओर से अपने दूतावासों को इन उग्रवादियों के खिलाफ 'जटिल कार्रवाई योजना' में सहयोग करने का निर्देश भेजा गया था।

अमेरिकी वेबसाइट ने दावा किया कि उस निर्देश की कॉपी उसके पास है, जिस पर भारत के विदेश सचिव के दस्तखत हैं। इस खबर के मुताबिक इस वर्ष अप्रैल में भेजे गए दस्तावेज में कई उग्रवादियों का जिक्र है, जिनमें कनाडा में मारा गया हरदीप सिंह निज्जर भी शामिल है।

हालांकि वेबसाइट ने कहा है कि उस दस्तावेज में सीधे तौर पर उन उग्रवादियों की हत्या का उल्लेख नहीं है, मगर उसमें अमेरिका और कनाडा स्थित दूतवासों से भारतीय खुफिया एजेंसियों से सहयोग करने को कहा गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने ऐसा कोई निर्देश भेजे जाने की बात का सिरे से खंडन किया है। साथ ही कहा है कि संबंधित वेबसाइट की पहचान पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की फर्जी कहानियों को फैलाने वाले माध्यम के रूप में रही है। बेशक, इस खंडन से भारत के लिए संभावित नुकसान को सीमित किया जा सकेगा। बहरहाल, यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि ऐसी खबरें अक्सर जानबूझ कर लीक की गई सही या गलत सूचनाओं के आधार पर प्रकाशित होती हैं। भारत के सामने चुनौती ऐसी लीक के स्रोत तक पहुंचने की है।

ये बात भी ध्यान में रखने की है कि इस मामले में भारत के खिलाफ माहौल कनाडा और अमेरिका की सरकारों ने बनाया है। चुनौती उन सरकारों के सामने उनकी धारणाओं को गलत साबित करने की है। वरना, ऐसी खबरें हर कुछ अंतराल पर मीडिया में आती रहेंगी और यह मुद्दा गरमाया रहेगा। स्पष्टत- ऐसा होना भारत के हित में नहीं है। (आरएनएस)

पांचवी की छात्रा से सहपाठियों ने की मारपीट

संवाददाता

देहरादून। पांचवी की छात्रा के साथ उसके सहपाठियों ने मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने नाबालिगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपुर कला निवासी महरूफ ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बच्ची उम्र 11 वर्ष जो कि रामपुर कलां चोई बस्ती के ही प्राईमरी स्कूल में कक्षा 5 वीं में पढती है। आज दोपहर लगभग सुबह 11 बजे मेरी बच्ची के साथ में स्कूल के दो बच्चो के द्वारा मारा पीटा गया है। उसकी बच्ची के कई दांत टूट गये है और नाक की हड्डी में भी बाल आ रखा है। उसकी बच्ची के काफी चोटे आ रखी है। स्कूल के अध्यापक व अध्यापिका द्वारा दोनों बच्चों को मना नहीं किया गया है। स्कूल के अध्यापक व अध्यापिका द्वारा दोनों को भगा दिया गया है। पूर्व में भी उक्त दोनों बच्चों के द्वारा उसकी बच्ची को पीटा गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सार्वजनिक उद्यम एवं निगमों को 3 श्रेणियों में बांटा जाएः डॉ. संधु

देहरादून (सं)। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने शुक्रवार को सचिवालय में सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों, स्वायत्तशासी संस्थाओं के कार्य-कलापों का प्रभावी ढंग से अनुश्रवण एवं उनके कार्मिकों के अधिष्ठान सम्बन्धी विषयों के समाधान के सम्बन्ध में बैठक ली। मुख्य सचिव ने कहा कि सार्वजनिक उद्यम एवं निगमों को 3 श्रेणियों में बांटा जाए। अच्छा प्रदर्शन कर मुनाफे में रहने वाले सार्वजनिक उपकर्म एवं निगम श्रेणी 'ए' में, औसत प्रदर्शन करने वाले सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों एवं स्वायत्तशासी संस्थानों को श्रेणी 'बी' में और निम्न प्रदर्शन करने वाले सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों एवं स्वायत्तशासी संस्थानों को 'सी' श्रेणी में रखा जाए। अच्छा प्रदर्शन करने वाले निगम एवं संस्थानों को भत्तों आदि के लिए स्वतंत्रता दी जाएगी एवं अपने स्तर से निर्णय ले सकेंगे। श्बीश और श्सीश श्रेणी के सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम आदि अच्छा प्रदर्शन कर निर्धारित मानदण्डों को पूरा कर श्रेणी 'ए' में आ सकेंगे। इससे निगमों में प्रतियोगी भावना भी जागृत होगी और प्रदर्शन में सुधार आएगा। मुख्य सचिव ने सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो को मजबूत बनाते हुए 15 दिन में मीटिंग कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों, स्वायत्तशासी संस्थाओं के कार्य-कलापों का प्रभावी ढंग से अनुश्रवण एवं लक्ष्य आदि निर्धारित करने सम्बन्धी विषयों के समाधान हेतु केन्द्र सरकार द्वारा की गयी व्यवस्था को राज्य में भी लागू करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, अरविन्द सिंह ह्यांकी, विनय शंकर पाण्डेय सहित विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों, स्वायत्तशासी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

महाकाल सेवा समिति द्वारा रक्तदान शिविर आयोजन 24 को

संवाददाता

देहरादून। श्री महाकाल सेवा समिति द्वारा रक्तदान शिविर आयोजन 24 दिसम्बर को किया जायेगा। श्री महाकाल सेवा समिति (रजि) देहरादून, द्वारा प्रत्येक 3 माह में लगने वाले रक्तदान शिविर का 24 दिसंबर दिन रविवार को प्रातः साढे नौ बजे महंत देवेंद्र दास महाराज द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया जायेगा, जिसमें शहर की सभी संस्थाओं व रक्तदान दाताओं को निमंत्रण दिया है, समिति का उद्देश्य यह है कि कम समय में ज्यादा से ज्यादा लोगों के जीवन बचाने तथा रक्तदान का महत्व समझ आये और अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिलता रहे।

जीप की चपेट में आकर एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। जीप की चपेट में आकर सडक पार कर रहे व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिव कालोनी पटेलनगर निवासी श्रीमति शकुन्तला अरोडा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा आशू अरोडा रात में पटेलनगर मुख्य मार्ग चुग गैस के पास सडक पार कर रहा था तभी एक थार जीप चालक तेजी से अपने वाहन को लेकर आया और उसके बेटे को टक्कर मार दी जिसको आसपास के लोग दून चिकित्सालय लेकर गये जहां पर चिकित्सकों ने उसके बेटे को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भाजपा लोकतंत्र की हत्या पर.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

और अधिक मुखर होंगे।

सांसदों के निलंबन के विरोध में आज कांग्रेसियों ने देशव्यापी आंदोलन और प्रदर्शन किए हैं। इस क्रम में राजधानी दून में भी भारी संख्या में कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता आज सुबह कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में जमा हुए जहां से हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए वह राजभवन घेराव को निकले लेकिन पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें हाथी बड़कला पुलिस चौकी पर रोक लिया, जहां उनकी पुलिस के साथ धक्का-मुक्की और तीखी नोंक झोंक भी हुई लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे नहीं जाने दिया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस के लगभग सभी बड़े नेता और पदाधिकारी मौजूद थे तथा बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी। कांग्रेसी नेताओं ने वंही सड़क पर बैठकर भाजपा व केंद्र सरकार के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन और नारेबाजी की। इस प्रदर्शन के जरिए कांग्रेस अपने शक्ति प्रदर्शन में सफल जरूर दिखी।

दून की यातायात व्यवस्था सुचारु करने को मैदान में उतरे निदेशक

संवाददाता

देहरादून दून की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए निदेशक यातायाता मुख्तार मोहसिन मैदान में उतरे और बोटलनेक स्थानों को चिन्हित किया।

आज यहां पुलिस महानिदेशक,उत्तराखण्ड के निर्देशों को क्रम में मुख्तार मोहसिन,पुलिस महानिरीक्षक/निदेशक यातायात उत्तराखण्ड द्वारा देहरादून की यातायात व्यवस्था को बेहत्तर करने के उद्देश्य से प्रथम चरण में देहरादून सिटी में स्थित चिन्हित बोटलनेक प्वांईट का यातायात निदेशालय से टीम भिजवाकर स्थलीय निरीक्षण कराया गया एवं गूगल/मेप टीम की मदद से ऐसे चौक जिनमें यातायात का दबाव बना रहता है, उनका पिछले एक माह का मेप डाटा का आंकलन कर ऐसे चौक को चिन्हित किया गया।

जनपद देहरादून में कुल 15 बोटलनेक प्वाईंट है जिनमें दिलाराम से ग्रेट वैल्यू, रिस्पना से नेहरु कॉलोनी तिराहा, जाखन,धर्मपुर चौक से हिमपैलेस तक,दून अस्पताल चौराहा, किशननगर चौक,

रायपुर रोड़ एवं सर्वे चौक, प्रिन्स चौक से होटल रिचीरिच, मसूरी, एमकेपी चौक, गांधी रोड़ रेलवे स्टेशन, कमला पैलेस, डालनवाला स्कूल क्षेत्र, घंटाघर का स्थलीय निरीक्षण एवं गूगल/मेपल/आईटीएमएस टीम की मदद ऐसे स्थान तथा जहां पर यातायात का दबाव बना रहता है उनमें 6 नं पुलिया, दर्शनलाल चौक, आराघर चौक, सर्वे चौक से सहस्त्रधारा क्रांसिंग, फव्वारा चौक, लालपुल, जोगीवाला, लैंसडाउन चौक, कारगी चौक, हाथीबड़कला, आईएसबीटी, बल्लीवाला चौक, कांवली रोड, सिटी हार्ट तिराहा उपरोक्त स्थलों का निरीक्षण कराने के उपरान्त निदेशक यातायात उत्तराखण्ड द्वारा पुलिस उपाधीक्षक यातायात एवं देहरादून के समस्त यातायात निरीक्षक/यातायात उपनिरीक्षक के साथ उपरोक्त स्थलों की यातायात व्यवस्था के सुधार हेतु गोष्ठी आयोजित की गई,जिसमें निम्न निर्देश दिये गये कि ड्यूटी प्वाईंटस पर यातायात कर्मी लाउड हेलर के साथ ड्यूटी करेंगे जिससे उनके चौक के आसपास खड़े होने वाले वाहनों को लगातार इसके माध्यम से बोलकर हटाते रहेंगे ताकि चौक सुचारु रुप से चलता रहे।

सीपीयू पीक ऑवर में चिन्हित स्थलों पर ड्यूटी पर रहेगी और लगातार चौक के यातायात दवाब कम करने के लिए चौक का संचालन करेगी। इसके साथ ही उपरोक्त चिन्हित स्थलों के आसपास कोई भी वाहन अगर सड़क पर खड़ा होगा तो पहले तो टोईंग मशीन वाले माईक से एलाउंसमेंट करेंगे उसके बाद भी अगर वाहन स्वामी वाहन नहीं हटाता है तो तत्काल उसे टो कर लिया जाए। रात्रि ड्यूटी के समय लगने वाले बैरियर को दिन में हटा लिया जाए। अनावश्यक रुप से सड़कों पर न रखें।

इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास हेतु उच्च अध्ययन केंद्र स्थापित किया जायः बंसल

संवाददाता

देहरादून। राज्यसभा सांसद डा.नरेश बंसल ने सदन मे हिमालयी क्षेत्र उत्तराखंड में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास हेतु उच्च अध्ययन केंद्र स्थापित किए जाने की मांग उठाई।

आज यहां सांसद राज्यसभा एवं भाजपा राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष डा.नरेश बंसल ने सदन मे हिमालयी क्षेत्र उत्तराखंड में इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास हेतु उच्च अध्ययन केंद्र स्थापित किए जाने की मांग उठाई। डा. नरेश बंसल ने स्पेशल मेनशन मे सदन के माध्यम से केंद्र सरकार के समक्ष यह राज्य हित की महत्वपूर्ण मांग उठाई। डा.नरेश बंसल ने अपने स्पेशल मेनशन मे कहा कि उत्तराखंड के उत्तराकाशी जिले के सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग में मालवा आ जाने से सुरंग में 41मजदूर फंस गए

थे, जिन्हें प्रधानसेवक नरेंद्र भाई मोदी कमार्गदर्शन व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व मे सभी ऐजेंसी के सामुहिक 17 दिनों तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बाहर निकला जा सका। बाबा बौखनाथ की कृपा से यह अभियान सफल हुआ। डा. नरेश बंसल ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व को इसके लिए साधुवाद दिया जिनके मार्गदर्शन में सभी टीमें इस चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन को पूरा करने में सफल रहीं। बंसल ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स इसे उनके जीवन का 'सबसे कठिन' बचाव कार्य अभियान बताते हैं। डा. बंसल ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना सुरंग निर्माण के विषय में चिंताएँ बढ़ाती है, साथ ही संभावित कारणों और निवारक उपायों की बारीकी से जाँच करने के लिये प्रेरित करती है। सिलक्यारा सुरंग में मलवा आने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। डा. बंसल ने सदन मे स्पेशल मेनशन मे कहा कि हिमालय के पहाड़ काफी नए हैं और यहां की बदलती संरचना के कारण पैदा होने वाली अस्थिरता चिंता का विषय है। भूविज्ञानियों का कहना है कि उत्तरी हिमालय क्षेत्र में जहाँ उत्तराखंड बसा है, वहां की चट्टानें अवसादी हैं। सुरंग बनाने हेतु चट्टानों की नाजुकता और मजबूती आदि की गहन पड़ताल करना जरूरी है।

सांसदों को सत्र के लिए निष्कासित करना तानाशाही श्रेणी में आता हैः सचान

संवाददाता

देहरादून। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डा. सत्यनारायण सचान ने कहा कि सदन के अन्दर से विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र के लिए निष्कासित करना तालाशाही की श्रेणी में आता है।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सचान ने कहा कि समाजवादी पार्टी का स्पष्ट मत है कि जिस तरीके से संसद की चाक चौबन्द सुरक्षा को धत्ता बताते हुए पिछले हफ्ते अन्दर घुसे, 2019 के चुनाव से पूर्व पुलवामा में घटना घटी, चीन कब्जा कर रहा है कि प्रधानमंत्री और अमित शाह के हाथों देश का संसद और देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि सदन के अन्दर से विपक्षी सांसदों को पूरे सत्र के लिए निष्कासित करना तालाशाही की श्रेणी में

आता है। सदन की मर्यादा संवधानिक पदों पर बैठे लोगों द्वारा तार-तार की जा रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि अगर बीजेपी अपनी कूटनीति से 2024 में जीत गयी तो ना लोकतंत्र बचेगा और ना ही संविधान। राष्ट्रीय अध्यक्ष पीडीए के माध्यम से इंडिया के द्वारा एनडीए को परास्त करने का अभियान चलाया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 26 रेट माइनर्स को एक-एक लाख रूपया देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व भी तपोवन में जब फरवरी 2021 में ग्लेशियर टूटा था तो श्रीमती भंगसिरी देवी ने 40 लोगों की जान बचाई थी उस महिला को भी पांच लाख रूपये देकर सम्मान किया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष कई अवसरों पर कह चुके हैं कि उत्तराखण्ड की सरकर बिना ईआईए स्वीकृत के परियोजनाएं शुरू कर मानव जनित आपदाओं को आमंत्रित कर रही है।

एक नजर

आज से 39.50 रुपए सस्ता हुआ एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली। सरकार ने नया साल आने से पहले ही बड़ा तोहफा दिया है। सरकारी तेल कंपनियों ने दिसंबर खत्म होने से पहले ही गैस सिलेंडर की कीमतें घटा दी हैं। अब दिल्ली सहित देश के चारों महानगरों व अन्य शहरों में भी गैस सिलेंडर सस्ता मिलेगा। आज (22 दिसंबर) से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 39.50 रुपए सस्ता हो गया। यह कटौती सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से की गई है। देशभर में 19 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर की नई दरें शुक्रवार से लागू हो गईं। जबकि घरेलू गैस सिलेंडरों की भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह पहले की तरह 903 रुपए में ही मिल रहा है। दिल्ली में 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर 1757 रुपए में मिल रहा है। जबकि कोलकाता में इसकी कीमत थोड़ी ज्यादा है। यहां कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 1868 रुपए में मिलेगा। इसी प्रकार मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर 1710 रु. और चेन्नई में 1929 रुपए में मिलेगा। चेन्नई में एलपीजी के दाम देश में सबसे अधिक हैं। बता दें कि ऑयल कंपनियों ने इससे पहले 16 नवंबर को भी कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कटौती की थी। तब 19 किलोग्राम सिलेंडर के दाम 57.5 रुपए कम किए गए थे। इसके बाद 1 दिसंबर को कीमतें 21 रुपए बढ़ाई गई थीं। इस प्रकार देखा जाए तो नवंबर से अब तक कमर्शियल सिलेंडर 76 रुपए सस्ता हो चुका है। पिछले कुछ समय से करीब हर महीने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में बदलाव देखने को मिला है।

मुंबई हवाई अड्डे पर 13 करोड़ रुपये की कोकीन के साथ विदेशी महिला गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने गुरूवार को मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अफ्रीका के आइवरी कोस्ट की एक महिला के पास से कथित तौर पर 13 करोड़ रुपये अनुमानित मूल्य की 1.273 किलोग्राम कोकीन बरामद होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।अधिकारी ने कहा कि वह इथोपिया के अदीस अबाबा से विमान में सवार होकर छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर पहुंची थी। उन्होंने कहा, संदेह के आधार पर उसे रोका गया और उसके सामान की जांच की गई तो 13 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन का पता चला। यह मादक पदार्थ उसके हैंडबैग और क्लच बैग की भीतरी परतों में छिपा हुआ था। अधिकारी ने कहा कि महिला को स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया और मादक पदार्थों की आपूर्ति की कड़ी का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

पार्टी में सलमान ने अभिषेक व अमिताभ बच्चन को लगाया गले

मुंबई। मनोरंजन जगत के सफल निर्माताओं में से एक आनंद पंडित ने 21 दिसंबर को अपने 60वें जन्मदिन के अवसर पर सितारों से सजी एक पार्टी की मेजबानी की। इस पार्टी में इंडस्ट्री के दिग्गजों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लेकिन इस पार्टी में कुछ ऐसा भी हुआ, जिसे बार-बार देखने पर भी लोगों को अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो रहा है। आनंद पंडित की बर्थडे पार्टी में कुछ ऐसा हुआ, जिसे देखने के बारे में फैंस कभी सपने में भी नहीं सोच पा रहे थे। जो काम कोई ना कर सका, वो काम आनंद पंडित की इस बर्थडे पार्टी में हो गया। जी हां, सलमान खान को पार्टी में अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन के साथ गर्मजोशी से गले मिलते हुए देखा गया। यही नहीं, अभिषेक और सलमान के बीच काफी बातचीत भी हुई। ये वीडियो अब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बता दें, जब से अभिषेक बच्चन की नजदीकियां ऐश्वर्या राय से बढ़ी थीं, तब से ही अभिषेक और सलमान के बीच में बात होना बंद हो गई थी। हर मौके पर ये दोनों एक-दूसरे को नजरअंदाज ही करते नजर आए। अभिषेक की शादी के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि सलमान ने अभिषेक को गले लगाया हो। आपको बता दें अभिषेक और ऐश्वर्या की एक प्यारी सी बेटी है, जिसका नाम अराध्या है। लेकिन इस बीच अभिषेक और ऐश्वर्या के तलाक की खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है।

भौतिक व्यवथा रुक्मणी तो कार्य करने की सोच राधा है: आचार्य ममगाईं

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। स्थूल जो दिखाई देता है जिसे हम अपने नेत्रों से देख सकते हैं और हाथों से छू सकते हैं वह कृष्ण-दर्शन में रुक्मणी कहलाती हैं। सूक्ष्म जो दिखाई नहीं देता और जिसे हम न नेत्रों से देख सकते हैं न ही स्पर्श कर सकते हैं, उसे केवल महसूस किया जा सकता है वही राधा है और जो इन स्थूल और सूक्ष्म अवस्थाओं का कारण है वह हैं श्रीकृष्ण और यही कृष्ण इस मूल सृष्टि का चराचर हैं। अब दूसरे दृष्टिकोण से देखें तो स्थूल देह और सूक्ष्म आत्मा है। स्थूल में सूक्ष्म समा सकता है परंतु सूक्ष्म में स्थूल नहीं। स्थूल प्रकृति और सूक्ष्म योगमाया है और सूक्ष्म आधार शक्ति भी है लेकिन कारण की स्थापना और पहचान राधा होकर ही की जा सकती है। यदि चराचर जगत में देखें तो सभी भौतिक व्यवस्था रुक्मणी और उनके पीछे कार्य करने की सोच राधा है और जिनके लिए यह व्यवस्था की जा रही है और वो

कारण है श्रीकृष्ण।

यह बात ज्योतिष्पीठ बद्रिकाश्रम व्यासपीठालंकृत आचार्य शिवप्रसाद ममगांई जी नें कण्डारा रूद्रप्रयाग में गैरोला वन्धुओं द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण के द्वितीय दिवस में कहा कि भागवत के प्रतिपाध्य देव भगवान कृष्ण हैं तो श्री राधा जी आराध्य देवी है अत: राधा और रुक्मणी दोनों ही लक्ष्मी का प्रारूप हैं परंतु जहां रुक्मणी देहिक लक्ष्मी हैं वहीं दूसरी ओर राधा आत्मिक लक्ष्मी हैं।

कथावाचन में आचार्य ने कहा कि भगवान कृष्ण जी ने कहा था मैं ही भागवत हूं, आत्मा राधा है। कृष्ण राधा की उपासना करने के बाद कलि दोष ध्यूत मदिरा आहार व्यवहार दोष नहीं आते जीवन में दोषों के कारण कलि का प्रवेश होता जिनसे दूर रहने की आवश्यकता है। आज विशेष रूप से चारधाम हकूक हकदारी के महासचिव हरीश डिमरी, महीधर प्रसाद गैरोला, राजेन्द्र पंत, देवकी नन्दन गैरोला, प्रदीप गैरोला, कुलानंद गैरोला, देवकीनंदन चंद्र प्रकाश राकेश चंद्र, रमेश चंद्र, विशंभर दत्त, विजय आनंद, सुमन चंद्र, हर्षमनी, मनोज चंद्र, राजेन्द्र पंत, प्रकाश चंद्र थपलियाल, मुकेश चंद्र थपलियाल, हरीश चंद्र डिमरी, कविता डिमरी, संदीप डिमरी दीर्घायु परदाली आदि भक्तजन उपस्थित हुए।

पांच लाख की चरस सहित होटल स्वामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। होटल की आड़ में नशे का कारोबार करने वाले होटल स्वामी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से लगभग पांच लाख की चरस भी बरामद की गयी है।

मामला पौड़ी जनपद के कोटद्वार क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली कोटद्वार पुलिस व सीआईयू टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई बड़ा नशा तस्कर नशीले पदार्थो की खेप सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व सीआईयू की टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक किलो 700 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम संजीव कुमार क्षेत्री उर्फ छोटू पुत्र दौलत सिंह, निवासी गोविन्द नगर गीता भवन मन्दिर के पास कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल बताया। पुलिस के अनुसार आरोपी एक होटल स्वामी है जो होटल कारोबार की आड़ में नशा तस्करी को अंजाम दे रहा था।

घर के बाहर खडी स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अलकनंदा एन्क्लेव निवासी हरीश कुकरेजा ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ड्यूटी पर लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध की जाएगी सख्त करवाई: अजय

❑कार्यक्रम स्थल के आसपास ड्रोन पर प्रतिबंध

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी अजय सिंह ने कहा कि उपराष्ट्रपति के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान ड्यूटी पर लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाही की जायेगी।

आज यहां उपराष्ट्रपति भारत, जगदीप धनखड़ के प्रस्तावित जनपद भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत सुरक्षा में नियुक्त किये गये समस्त पुलिस बल की उच्चाधिकरियों द्वारा पुलिस लाइन देहरादून में ब्रीफिंग की गई। ब्रीफिंग के दौरान कार्यक्रम हेतु किये गये सुरक्षा प्रबन्धों की समीक्षा करते हुए वर्तमान सुरक्षा परिदृश्यों के दृष्टिगत सभी अधिकारी/कर्मचारीगणों को सजग एवं सतर्क रहकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक सुरक्षा उत्तराखण्ड द्वारा उपस्थित पुलिस बल को ब्रीफ करते हुए कहा कि ड्यूटी हेतु नियुक्त समस्त पुलिस बल निर्धारित समय से 03 घण्टे पूर्व अपने ड्यूटीस्थल पर पहुंचकर, अपनी ड्यूटी के सम्बन्ध में अपने प्रभारी अधिकारी से जानकारी प्राप्त कर ले तथा ड्यूटी स्थल व उसके आस-पास के स्थानों को भली-भांति चौक कर लिया जाये। कार्यक्रम स्थल पर केवल अधिकृत व्यक्तियों व उनके वाहनो को ही जाने की अनुमति दी जाए। ड्यूटी में नियुक्त समस्त पुलिस बल ड्यूटी के दौरान अपने साथ लाठी-डंडा अवश्य रखें। साथ ही वीआईपी रुट प्रभारी को निर्देशित किया कि वीआईपी कार्यक्रम से पूर्व ही सम्पूर्ण रुट व्यवस्था का भली प्रकार निरीक्षण कर मार्ग में हो रहे निर्माण कार्यों को समय से पूर्ण करने हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था से संपर्क कर निर्देशित करें। इस बात को भी सुनिश्चित कर लिया जाये कि वीआईपी रुट पर किसी प्रकार की निर्माण सामग्री न पड़ी हो। इसके अतिरिक्त सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि

उपराष्ट्रपति के भ्रमण के दौरान कार्यक्रम स्थल व उसके आस-पास के क्षेत्र में ड्रोन का संचालन पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित रहेगा, इस दौरान किसी को भी उक्त क्षेत्र में ड्रोन उडाने की अनुमति नहीं होगी। यदि किसी के द्वारा ड्रोन के माध्यम से उक्त कार्यक्रम की कवरेज की जानी हो तो उसे पहले अनुमति लेनी अनिवार्य होगी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।